केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 310 सोमवार 3 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

विकमजोत (बस्ती)। छावनी थाना क्षेत्र के गोड़सरा गांव में रविवार को सुबह घर के सामने लगे पेड़ से एक बत्तीस वर्षीय युवक का शव लटकता मिला । जिसकी सूचना मिलते ही गांव में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही में जुट गयी। थाना क्षेत्र के गोड़सरा गांव में बिजय कुमार 28 पुत्र रामदीन का शव घर के सामने लगे पेड़ में लटकता मिला । परिजन जब सुबह जगे तो युवक का शव देख उनके होश उड़ गये और कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची छावनी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये आवश्यक कार्यवाही पूरी कर बस्ती भेज दिया।

ग्रामीणों की माने तो मृतक विजय कुमार नशे का आदी था और पत्नी किरन देवी के साथ बहुत दिनों से विवाद चल रहा था। विवाद के चलते पत्नी कुछ दिन पूर्व मायके चली गयी थी। लोगो की माने तो बीती रात भी पत्नी के साथ कुछ झगड़ा हुआ था।मृतक के परिवार में उसकी पत्नी व तीन बच्चियां हैं। युवक बेरोजगार था।प्रभारी निरीक्षक छावनी राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। युवक नशे का आदी था । मौत कैसे हुयी पोस्टमार्टम की रिपोर्ट मिलने पर ही पता चल पायेगा।

अब एक ही दूकान पर नहीं बिकेगा पान मसाला और तम्बाकू

लखनऊ (आभा)। यूपी में एक दुकानों पर पान, मसाला–तंबाकू बेचने वालों के लिए बुरी खबर है। सरकार ने अब इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में सरकार की तरफ से एक नया आदेश भी जारी किया गया है। सरकार के इस आदेश के हिसाब से अब एक ही दुकान पर पान मसाला और तंबाकू नहीं मिलेंगे। यह दोनों उत्पाद एक स्थान पर बनेंगे भी नहीं और उनका भंडारण भी नहीं किया जा सकेगा। राज्य सरकार ने इसे प्रतिबंधित कर दिया है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने इस आदेश को प्रभावी बनाने की कवायद शुरू कर दी है। विभाग की मानें तो पुलिस की मदद से इस प्रतिबंध को प्रभावी बनाया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत बने खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विक्रय प्रतिषेध एवं निर्बंधन) विनियम 2011 में यह प्रावधान है कि किसी भी खाद्य पदार्थ में तंबाकू एवं निकोटिन को एक अवयव के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता। यूपी की सीमा में तंबाकू युक्त पान मसाला या गुटखा के निर्माण, पैकिंग, भंडारण, वितरण एवं बिक्री पर एक अप्रैल 2013 में प्रतिबंध लगाया गया था। मगर इसके बावजूद प्रदेश में तमाम पान मसाला बनाने वाली कंपनियां तंबाकू युक्त गुटखे का निर्माण भी पान मसाले के ब्रांड नेम से ही किया जा रहा है। पान मसाले के साथ ही तंबाकू वाले गुटखे के पाउच भी साथ ही भंडारित करने के साथ ही बेचे भी जा रहे हैं।

अब खाद्य आयुक्त द्वारा एक ही परिसर में समान ब्रांड नेम या भिन्न ब्रांड नेम से तंबाकू और पान मसाले का निर्माण, पैकिंग, भंडारण, वितरण और बिक्री को प्रतिबंधित कर दिया गया है। जल्द इस संबंध में विभागीय टीमों द्वारा छापेमारी की कार्यवाही शुरू की जाएगी। जिन फैक्ट्रियों या दुकानों पर निर्माण होता मिला, उन पर शिकंजा कसा जाएगा।

अरुणाचल में भाजपा को प्रचंड बहुमत

नई दिल्ली (आभा)। भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करते हुए रविवार को 60 सदस्यीय विधानसभा में 46 सीट जीतकर बहुमत हासिल कर लिया। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य में 60 में से 50 विधानसभा सीट के लिए 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के साथ मतदान हुआ था. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 10 सीट पहले ही निर्विरोध जीत ली थीं. अधिकारियों के अनुसार, जिन 50 सीट पर मतदान हुआ, उनमें से भाजपा ने 36 सीट पर जीत दर्ज की और मुख्यमंत्री पेमा खांडू निर्विरोध जीतने वाले 10 उम्मीदवारों में से एक हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा की जीत पर राज्य के लोगों का धन्यवाद व्यक्त किया. उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "धन्यवाद अरुणाचल प्रदेश! इस अद्भुत राज्य की जनता ने विकास की राजनीति को स्पष्ट जनादेश दिया है. अरुणाचल में भाजपा पर एक बार फिर अपना विश्वास जताने के लिए उन्हें मेरा आभार. हमारी पार्टी राज्य के विकास के लिए और भी अधिक उमंग के साथ काम करेगी'।

मोदी ने यह भी कहा, "मैं चुनाव अभियान में अरुणाचल के असाधारण भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की सराहना करना चाहूंगा. जिस तरह वे पूरे राज्य में गए और लोगों से जुड़े, वह सराहनीय है." नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) को पांच सीट मिलीं, जबकि पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने दो और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने तीन सीट पर जीत दर्ज की.कांग्रेस ने एक सीट जीती और तीन सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं. भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश में 2019 के विधानसभा चुनाव में 41 सीट पर जीत हासिल की थी।

सिक्किम में एसकेएम की ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली (आभा)। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) ने सिक्किम विधानसभा चुनाव में क्लीन स्वीप दी है। प्रचंड जीत के बाद सीएम प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि हम अगले पांच वर्षों में उन सभी वादों को पूरा करेंगे, जो हमने चुनाव के दौरान जनता से की है। मैं अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने काफी कड़ी मेहनत की। मैं जनता को भी धन्यवाद देता हूं कि उन्हें राज्य में शांतिपूर्ण चुनाव में भागीदारी की। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय स्तर पर एनडीए सरकार बनेगी। एनडीए चार सौ के आकड़े को पार करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के प्रमुख प्रेम सिंह तमांग को विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह सिक्किम की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

एसकेएम समर्थक पार्टी की जीत का जश्न मनाने के लिए गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में एकत्र हुए। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में एसकेएम ने 32 विधानसभा सीटों में से 31 सीटें जीतीं।

सिक्किम के मुख्यमंत्री और सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) सुप्रीमो पीएस तमांग ने सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के सोमनाथ पौडयाल को 7,044 मत से हराकर रविवार को रहेनोक विधानसभा सीट जीत ली। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि तमांग को 10,094 मत मिले, जबकि सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 3,050 मत मिले। सिक्किम में 32 विधानसभा सीट के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार सुबह छह बजे मतगणना शुरू हुई।

सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के समदुप लेप्चा ने रविवार को अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के हिशे लाचुंगपा को 851 मतों से हराकर लाचेन मंगन विधानसभा सीट जीत ली है। सिक्किम में 32 विधानसभा सीट के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह छह बजे मतगणना शुरू हुई। लेप्चा को 3,929 जबकि हिशे को 3,078 मत मिले।

एसकेएम के पिंत्सो नामग्याल लेप्चा ने अपनी जीत पर कहा, श्मैं उन सभी मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मेरा समर्थन किया और मुझे बड़े अंतर से जीत दिलाई।

एग्जिट पोल का आधार ईवीएम नहीं डीएम हैं– अखिलेश

लखनऊ (आभा)। यूपी की 80 सीटों पर वोटिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद आए एग्जिट पोल आंकड़े को लेकर सपा सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्व को लेकर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों पर भी सवाल उठाए हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एप्स पर पोस्ट करते हुए लिखा एग्जिट पोल का आधार ईवीएम नहीं डीएम है। प्रशासन यात रखें जनशक्ति से बड़ा बाल कोई नहीं होता है। अखिलेश यादव ने अपनी लंबी चौड़ी पोस्ट में एग्जिट पोल की क्रोनोलॉजी समझाई।

अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष ने पहले ही घोषित कर दिया था कि भाजपाई मीडिया भाजपा को 300 पार दिखाएगा, जिससे घपला करने की गुंजाइश बन सके। आज का ये भाजपाई एक्जिट पोल कई महीने पहले ही तैयार कर लिया गया था बस चैनलों ने चलाया । जून को है। इस एक्जिट पोल के माध्यम से जनमत को धोखा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस एक्जिट पोल को आधार बनाकर भाजपाई सोमवार को खुलनेवाले शेयर बाजार से जाते–जाते लाभ उठाना चाहते हैं। अगर ये एक्जिट पोल झूठे न होते और सच में भाजपा हार न रही होती तो भाजपावाले अपनों पर ही इल्जाम न लगाते। भाजपाइयों के मुरझाए चेहरे सारी सच्चाई बयान कर रहे हैं। भाजपाई ये समझ रहे हैं कि पूरे देश का परिणाम चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव की तरह बदला नहीं जा सकता है क्योंकि इस बार विपक्ष पूरी तरह से सजग है और जनाक्रोश भी चरम पर है। भाजपा से मिले हुए भ्रष्ट अधिकारी भी सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता देखकर धांधली करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, साथ ही वो जनता के क्रोध का भी शिकार नहीं होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और प्रत्याशी ईवीएम की निगरानी में एक प्रतिशत भी चूक न करें। इंडिया गठबंधन जीत रहा है। इसीलिए चौकन्ने रहकर मतगणना कराएं और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही विजय का उत्सव मनाएं।

मतगणना के लिये 15 अतिरिक्त सहायक नियुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन के अन्तर्गत 61–बस्ती संसदीय क्षेत्र की मतगणना हेतु 15 अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग आफिसर की नियुक्ति की गयी है। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने बताया है कि ये ईटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट की गणना का कार्य सम्पादित करेंगे।

उन्होने बताया कि टेबल संख्या 1 के लिए खण्ड विकास अधिकारी परसरामपुर, 2 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज, 3 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी हर्रैया, 4 के लिए खण्ड विकास अधिकारी गोपालपुर, 5 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी बस्ती सदर, 6 के लिए खण्ड विकास अधिकारी सॉऊघाट, 7 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी दुबौलिया, 8 के लिए खण्ड विकास अधिकारी बहादुरपुर, 9 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी रूधौली तथा 10 के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज की नियुक्ति की गयी है। उन्होने बताया की समस्त टेबल के लिए खण्ड विकास अधिकारी विकमजोत को नियुक्ति किया गया है।

गर्मी में फुंक गए सैकड़ों ट्रांसफॉर्मर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। क्षमता वृद्धि व संख्या बढ़ाए जाने के बाद भी ट्रांसफॉर्मर फुंकने का सिलसिला जारी है। अप्रैल में बस्ती जोन के तीनों जिलों में 246 ट्रांसफॉर्मर जल चुके हैं। मई में यह संख्या बढ़कर 360 के पार कर चुकी है। सबसे अधिक 25 केवीए के ट्रांसफॉर्मर फुंक रहे हैं। मुख्य अभियंता बस्ती जोन एसके सरोज का कहना है कि पिछले साल की तुलना में ट्रांसफॉर्मर जलने की संख्या में कमी आई है। ज्यादा गर्मी व खपत अचानक बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर ओवरलोडेड हो रहे हैं, इस कारण से भी फुंक जा रहे हैं।

मई में तापमान बढ़ने के कारण बिजली की खपत अचानक बढ़ गई है। आमतौर से घरों में स्वीकृत भार से ज्यादा का खर्च हो रहा है, इसका दुष्प्रभाव ट्रांसफॉर्मर पर पड़ रहा है। मई में बस्ती जोन में 10 केवीए के 111, 25 के 202, 63 के 31, 100 के नौ, 250 के दो, 400 के तीन तथा 630 केवीए के दो कुल 360 ट्रांसफॉर्मर फुंक चुके हैं। इसमें और वृद्धि हो सकती है। अप्रैल में कुल 246 ट्रांसफॉर्मर फुंके हैं, जिसमें 10 केवीए के 69, 25 के 153, 63 के 18, 100 के पांच व 400 के एक ट्रांसफॉर्मर ही फुंके थे।

अधिकारियों का कहना है कि पिछले एक साल में सबसे ज्यादा जोर ट्रांसफॉर्मर की क्षमता व उनकी संख्या बढ़ाने पर रहा है। पिछले साल अप्रैल में जहां जोन में कुल ट्रांसफॉर्मर की संख्या 55004 थी, वहीं इस साल अप्रैल में इसकी संख्या बढ़कर 57592 हो गई है। एक साल में 2588 ट्रांसफॉर्मर बढ़े हैं। इसमें हर क्षमता के ट्रांसफॉर्मर शामिल हैं।

पिछले दो माह में सर्वाधिक क्षमता के आधा दर्जन ट्रांसफॉर्मर फुंक चुके हैं। कॉरपोरेशन की ओर से इस बात के लिए सख्त निर्देश है कि अधिक क्षमता के ट्रांसफॉर्मर फुंकने पर इसकी भरपाई सम्बंधित जेई व एसडीओ से होगी। तमाम प्रयास के बाद भी छह ट्रांसफॉर्मर को नहीं बचाया जा सका है। इसमें 400 के चार व 630 केवीए के दो ट्रांसफॉर्मर शामिल हैं। अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम मनोज कुमार सिंह का कहना है कि शहर के कई ट्रांसफॉर्मर ओवरलोडिंग के साथ क्रिटिकल हालत में हैं। उन्होंने बताया कि इस समय ओवरलोडेड ट्रांसफॉर्मर की जांच की जा रही है। आवास विकास, सुपेलवा, मिल्लत नगर, पशु अस्पताल, रोडवेज के निकट स्थित ट्रांसफॉर्मर सहित कई ट्रांसफॉर्मर क्रिटिकल कंडीशन में चल रहे हैं। इनकी क्षमता वृद्धि के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी बोले–यह मोदी मीडिया का एग्जिट पोल

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा चुनाव 2024 के एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान है। एग्जिट पोल के आंकड़ों को इंडिया गठबंधन के नेता ने मानने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस ने एग्जिट पोल के नतीजों को एक मनोवैज्ञानिक खेल बताया। इन्हीं सब को लेकर विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने आज एक बैठक की। बैठक के तुरंत बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने इस दौरान सिद्धू मूसेवाला के एक गाने की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि यह मोदी मीडिया पोल है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी के लोकसभा उम्मीदवारों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों के साथ बैठक की।

बैठक में कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'ये एग्जिट पोल झूठे हैं। इंडिया गठबंधन को 295 सीटों से कम सीटें नहीं मिलने जा रही हैं।

ये एग्जिट पोल फर्जी हैं क्योंकि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मनोवैज्ञानिक खेल खेल रहे हैं। वे विपक्षी दलों, चुनाव आयोग, मतगणना एजेंटों, रिटर्निंग अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं और ऐसा माहौल बना रहे हैं कि वे वापस आ रहे हैं लेकिन वास्तविकता पूरी तरह से अलग है।'

सोनभद्र में भूकंप के झटके

सोनभद्र (आभा)। यूपी के सोनभद्र में रविवार की दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसका मुख्य केंद्र जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर की दूरी पर चुर्क नगर पंचायत का गुरमा क्षेत्र रहा। जहां जमीनी संतह से दस किलोमीटर नीचे रिक्टर पैमाने पर 3.9 तीव्रता का भूकंप मापा गया।

नेशनल सेंटर फॉर सेस्मोलॉजी के अनुसार, सोनभद्र जनपद में रविवार की दोपहर करीब 3 बजकर 50 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टल स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली (आभा)। तिहाड़ जेल में जाने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित किया। अरविंद केजरीवाल दिल्ली स्थित 'आप' दफ्तर में पहुंचे थे। यहां सीएम ने कहा कि उन्हें फर्जकेस में फंसाकर जेल में डाला गया है। केजरीवाल ने कहा, 'चलो मान लिया अनुभवी चोर हूं, तुम्हारे पास सबूत तो नहीं।' केजरीवाल ने कहा, 'मेरे खिलाफ सबूत नहीं है, बिना रिकवरी के जेल में डाल दिया गया।यही तो तानाशाही है। जिसका मन करेगा उसे जेल में डाल दिया जाएगा। इस किस्म की तानाशाही अपने देश को बर्दाश्त नहीं है। मैं तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। हम भगत सिंह के चेले हैं।'

केजरीवाल ने कहा कि यह 21 दिन मेरी लिए काफी यादगार है। केजरीवाल ने कहा, 'मैं जेल इसलिए नहीं जा रहा हूं कि मैने कोई भ्रष्टाचार किया है बल्कि मैंने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई है इसलिए मैं जेल जा रहा हूं। ये कहते थे कि 100 करोड़ का घोटाला हुआ। 500 से ज्यादा छापेमारी हो गए लेकिन एक भी पैसा नहीं मिला। आखिर यह पैसा कहां गया?'

सीएम अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि पीएम मोदी भी मान लिया है कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। एक टीवी इंटरव्यू का हवाला देते हुए केजरीवाल ने कहा, 'पीएम मोदी ने इस इंटरव्यू में मान लिया कि केजरीवाल के खिलाफ कोई सबूत नहीं है क्योंकि अरविंद केजरीवाल अनुभवी चोर है। चलो मान लिया मैं अनुभवी चोर हूं, तुम्हारे पास कोई सबूत तो नहीं है। तुम्हारे पास कोई रिकवरी तो नहीं है। तो फिर यूं ही डाल दिया मुझे जेल में।'

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने मुझे चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की जमानत दी थी। मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज मैं फिर तिहाड़ जेल जा रहा हूं। मैंने इन 21 दिनों में से एक मिनट भी बर्बाद नहीं किया। मैंने सिर्फ 'आप' के लिए ही नहीं बल्कि विभिन्न पार्टियों के लिए प्रचार किया।

तस्करों ने सोनहा में बना रखा है गोदाम.? तुर्की का था मक्का

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेपाली सामान से भरी पकड़ी गई डीसीएम में मक्के की बोरियां मिली थीं, वह तुर्की की बताई जा रही हैं। मक्के की 50 बोरियों में छिपाकर नेपाली टूथपेस्ट और शैम्पू दिल्ली ले जाया जा रहा था। सोनहा पुलिस ने बुधवार को डीसीएम को दुबौली चौराहे पर पकड़ लिया था। अब इसकी जांच कस्टम विभाग की लखनऊ की टीम कर रही है। जांच में लगातार कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं।

कस्टम विभाग के जिम्मेदारों का कहना है कि शुरूआती जांच में पाया गया था कि मक्के की बोरियों में छिपाकर नेपाली टूथपेस्ट दिल्ली ले जाया जा रहा था। इसमें तीन गत्ता नेपाली शैम्पू भी मिला है, जब मक्के की बोरियों की जांच की गई तो उसके ऊपर तुर्की का पता लिखा हुआ है। प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि तुर्की से मक्का नेपाल लाया जाता है। वहां से तस्करी कर इसे बस्ती लाया जाता है। यहां से इसे दिल्ली व अन्य जगहों पर भेजा जाता है। मक्के के साथ ही अन्य रोजमर्रा के सामान भी तस्करी कर लाए जाते हैं।

कस्टम विभाग के अधिकारियों की माने तो तस्करों ने सोनहा थानाक्षेत्र में गोदाम बना रखा है। यहीं पर नेपाल से तस्करी कर सामान लाकर स्टोर किया जाता है। गाड़ी पर सामान अपलोड कर महानगरों को भेजा जाता है। बुधवार को पकड़ी गई डीसीएम पर इसी गोदाम से सामान लादा गया था। डीसीएम के साथ पकड़े गए कर्मी ने खुद स्वीकार्य किया था कि डीसीएम पर सामान स्थानीय स्तर पर ही लादा गया है। कस्टम विभाग को शक है कि स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी जिम्मेदारों को है, लेकिन कोई मुंह खोलने को तैयार नहीं है। अगर गोदाम का सुराग लग जाए तो एक बड़े नेटवर्क को तोड़ा जा सकता है।

धराशाई होंगे एग्जिट पोल: बनेगी इण्डिया गठबन्धन की सरकार– महेन्द्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी आरटीआई विभाग के प्रदेश महासचिव एवं गोरखपुर बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने दावा किया है कि एक बार फिर एग्जिट पोल धराशाई होंगे और 4 जून को इण्डिया गठबन्धन 295 से अधिक सीटे हासिल कर सरकार बनायेगी।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि 2024 के चुनाव की कमान जनता के हाथ में थी और मंहगाई, बेरोजगारी, अग्निवीर आदि का मुद्दा जहां छाया रहा वहीं बडे वर्ग ने जाति धर्म से ऊपर उठकर मतदाताओं ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिये मतदान किया। कहा कि इतिहास साक्षी है कि चुनाव पूर्व अनुमान एग्जिट पोल धराशाई हुये हैं और इस बार भी वहीं होने वाला है। कहा कि एग्जिट पोल एजेन्सियों ने सरकार के दबाव में एनडीए गठबंधन की जीत तो दिखा दिया किन्तु वे मतदाताओं के मानस को पहचानने में विफल रहे।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी आरटीआई विभाग के प्रदेश महासचिव एवं गोरखपुर बस्ती मण्डल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्पष्ट कर दिया है कि इण्डिया गठबंधन को 295 से अधिक सीटे हासिल होंगी और जनादेश इसी रूप में आयेगा भी। कहा कि गोदी मीडिया के एग्जिट पोल पर मतदाताओं को भी कोई भरोसा नहीं है। एक बार फिर एग्जिट पोल गलत साबित होंगे इसमें कोई संदेह नहीं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 जून 2024 सोमवार

सम्पादकीय

मतदान के बाद नतीजों की प्रतीक्षा

चुनाव पूर्वानुमानों की मानें तो केन्द्र में तीसरी बार नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री होंगे। अब 4 जून को स्पष्ट नतीजे आने के बाद तय होगा कि नयी लोकसभा का स्वरूप क्या होगा। आखिरकार सबसे लंबी अवधि वाले चवालीस दिनी आम चुनाव का समापन शनिवार को 57 सीटों पर मतदान के साथ हो गया। झुलसाती गर्मी व तूफान के बावजूद सात चरणों वाले लंबे चुनाव अभियान में मतदाताओं का उत्साह दुनिया को भारतीय लोकतंत्र की ताकत दिखाता है। बड़ी–बड़ी रैलियों, रोड शो और जनसंपर्क कार्यक्रमों में मतदाताओं की उपस्थिति भारतीय लोकतंत्र के उज्ज्वल भविष्य को ही दर्शाती है। बेहतर होता कि बेहद जटिल मौसमी परिस्थितियों में यह चुनाव कार्यक्रम इतना लंबा न होता। छिटपुट हिंसा घटनाओं को छोड़कर कमोबेश यह चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। लेकिन हमें स्वीकार करना होगा कि तमाम सांस्कृतिक, भौगोलिक व राजनीतिक रुझान में विविधताओं वाले इस देश में आज भी चुनाव प्रक्रिया विश्वसनीय मानी जाती है, जिसका श्रेय निश्चित रूप से वर्षों से सक्रिय चुनाव आयोग के अधिकारियों व कर्मचारियों को दिया जाना चाहिए। शांतिपूर्ण मतदान से मतदाताओं का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बढ़ता है। भारत को यूं ही दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र नहीं कहा जाता। हमारी 18वीं लोकसभा के लिये संपन्न चुनाव में विश्व का सबसे बड़ा मतदाता वर्ग सक्रिय रहा। देशभर में कुल 96 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत रहे। इतने बड़े मतदाता वर्ग के लिये सुगम मतदान की व्यवस्था करना निश्चित ही चुनौतीपूर्ण कार्य था। लेकिन एक बात तय है कि 19 अप्रैल को शुरू हुए पहले चरण के मतदान से शनिवार को संपन्न सातवें व अंतिम चरण के मतदान कार्यक्रम को यदि कुछ सप्ताह कम किया जाता तो मई के अंत की भीषण गर्मी से मतदाताओं को दो–चार न होना पड़ता। कई राज्यों से चुनाव ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों के लू से मरने की विचलित करने वाली खबरें भी आईं। वहीं लंबी चुनावी प्रक्रिया के दौरान आचार–संहिता लंबे समय तक लागू रहने से विकास कार्य भी प्रभावित होते हैं। बहरहाल, चुनाव कार्यक्रम निर्धारण को केंद्र में सत्तारूढ़ दल की प्राथमिकता भी प्रभावित करती है तो वहीं कानून–व्यवस्था व कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी चुनाव कार्यक्रम को लंबा बनाती हैं।

बहरहाल, एक बात तय है कि चुनाव चरणों का लम्बा समय व मौसम की प्रतिकूलताएं मतदाताओं को उदासीन बनाती हैं। कुछ चुनावी पंडित मतदान प्रतिशत में पिछले बार के मुकाबले गिरावट आने की यही वजह बताते हैं। वहीं विश्वसनीयता खोते राजनेता तथा नकारात्मक चुनाव प्रचार भी मतदाताओं की चुनावों में दिलचस्पी को कम कर देता है। लेकिन इसके बावजूद हालिया तूफान से प्रभावित पश्चिम बंगाल से लेकर हिमाचल के दुर्गम इलाकों लाहौल–स्पीति तक में मतदाताओं ने उत्साह से चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। इस बार के चुनाव में एक सकारात्मक पक्ष यह भी दिखा कि वयोवृद्ध व अशक्त लोगों को घर से मतदान करने का अवसर मिला। चुनाव ड्यूटी में लगे करोड़ों कर्मचारियों का डाक से अपना मतदान करने का उत्साह भी लोकतंत्र की खूबसूरती को ही दर्शाता है। अभी भी मतदान प्रक्रिया को और अधिक मतदाताओं के अनुकूल बनाने की जरूरत है। साथ ही राजनेताओं का दायित्व भी बनता है कि उनकी रीतियों–नीतियों का असर हकीकत में भी नजर आए। अन्यथा मतदाताओं का मोहभंग होते देर न लगेगी। शांतिपूर्ण ढंग से सत्ता का हस्तांतरण भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है। इस खूबसूरती पर किसी तरह की आंच नहीं आने देनी चाहिए। पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आम मतदाता का विश्वास निरंतर मजबूत होते रहना चाहिए। इसके लिये समय–समय पर चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठने वाले सवालों व शंकाओं का समाधान भी जरूरी है। आचार–संहिता के उल्लंघन जैसे मामलों में कार्रवाई को लेकर चुनाव आयोग तमाम आक्षेपों से मुक्त रहना चाहिए। ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि आयोग सत्तारूढ़ दल के प्रति उदार रुख दिखा रहा है। चुनाव आयोग का निष्पक्ष रहने के साथ निष्पक्ष दिखना भी जरूरी है। बहरहाल, चार जून को जनादेश का परिणाम देश के सामने होगा। जो भी दल केंद्र में सरकार बनाये, उसे ध्यान रखना होगा कि युवाओं का यह देश बेरोजगारी व महंगाई का दंश झेल रहा है। देश में आर्थिक असमानता का दायरा सिमटना चाहिए। यदि देश की विकास दर लगातार बढ़ रही है तो उससे समृद्धि समाज के अंतिम व्यक्ति के घर में भी नजर आनी चाहिए। ये चुनाव ऐसे समय कराए गए, जब देश का ज्यादातर हिस्सा भीषण गर्मियों की चपेट में रहता है। इस तथ्य को जितनी अहमियत मिलनी चाहिए थी, उतनी न देते हुए आयोग ने छह सप्ताह की अप्रत्याशित रूप से लंबी मतदान प्रक्रिया निर्धारित कर दी। इसके पीछे मकसद निश्चित रूप से मतदान प्रक्रिया को यथासंभव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाए रखना था, लेकिन इस वजह से नेताओं, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं में चुनावों को लेकर दिलचस्पी बनाए रखना मुश्किल होता गया। कम मतदान प्रतिशत के पीछे एक वजह यह भी मानी जा रही है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि 4 जून का जनादेश किस रूप में सामने आयेगा।

भारतीय पत्रकारिता की निष्पक्षता के सवाल

—तनवीर जाफरी—

पिछले दिनों 30 मई को जब हमारे देश में पत्रकारिता दिवस की बधाइयों का सिलसिला चल रहा था उस के चंद रोज पहले पंजाब से यह खबर आई कि जी मीडिया ग्रुप के सभी चौनल्स जिनमें हिंदी, अंग्रेजी के साथ पंजाबी जैसी क्षेत्रीय भाषा के चौनल्स भी शामिल हैं, को सरकार द्वारा ब्लैक आउट कर दिया गया है। इस खबर के फौरन बाद ही पंजाब की भगवंत मान सरकार ने कोई औपचारिक नोटिफिकेशन जारी किये बिना ही 28 मई से राज्य में जी मीडिया ग्रुप से सम्बद्ध सभी चौनल्स के प्रसारण पर रोक लगा दी । गौरतलब है कि जी मीडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड 14 टेलीविजन समाचार चौनल, 5 डिजिटल समाचार चौनल, 7 समाचार ऐप और 32 डिजिटल प्रॉपर्टी संचालित करता है। जी मीडिया ग्रुप के चैनल्स पर प्रतिबंध लगाने के बारे में कहा जा रहा है कि चूँकि जी न्यूज के चैनल्स ने राज्य के मंत्री बलकार सिंह का 21 साल की किसी लड़की के साथ वीडिओ कॉल पर अश्लील हरकतों का आपत्तिजनक वीडियो अपने चैनल पर दिखाया था। जिसके बाद ही मान सरकार ने चौनल पर रोक लगाने का फैसला किया। हालाँकि मंत्री की अश्लील हरकतों वाली करतूत इस चैनल पर प्रसारित होने से पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी थी। परन्तु भगवंत मान सरकार ने जी मीडिया ग्रुप के पक्षपात पूर्ण प्रसारण के चलते उस पर प्रतिबंध लगाकर ही अपना गुस्सा उतारना मुनासिब समझा। निष्पक्ष पत्रकारिता का दायित्व निभाने वाले किसी भी मीडिया चौनल को प्रतिबंधित या उसे ब्लैक आउट करना निःसंदेह मीडिया की आजादी पर प्रहार ही कहा जायेगा। और किसी भी सरकार द्वारा सत्ता का दुरुपयोग कर ऐसा किया जाना निश्चित रूप से लोकतंत्र के लिये खतरे के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके पहले भी राज्य की भगवंत मान सरकार बादल परिवार के स्वामित्व वाले पीटीसी न्यूज चौनल तथा पंजाब के प्रतिष्ठित मीडिया समूह अजीत प्रकाशन समूह के अखबारों के साथ 'दुर्भावनापूर्ण व्यवहार कर चुकी है।

परन्तु पंजाब में जी मीडिया ग्रुप पर लगे प्रतिबंध के बाद एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया है कि इस न्यूज चौनल ने चुनावी संग्राम के मध्य जितनी तत्परता से राज्य के मान सरकार के मंत्री बलकार सिंह की अश्लील विडिओ के प्रसारण में इतनी दिलचस्पी ली, क्या देश का सबसे बड़ा यौन शोषण और इतिहास का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल कहे जाने वाले जनता दल यूनाइटेड के नेता प्रज्वल रेवन्ना से सम्बंधित खबरों को भी इसी तत्परता से प्रसारित करने में जी मीडिया ग्रुप ने दिलचस्पी दिखाई। महिलाओं की इज्जत आबरू से जुड़ी मणिपुर में अनेक घटनायें घटीं क्या देश का सबसे बड़ा न्यूज चौनल कहे जाने वाले इस ग्रुप ने उस सच्चाई को इसी तरह प्रसारित किया ? और भी देश में अनेकानेक ऐसी घटनायें घटीं जिससे न केवल इस ग्रुप के चौनल्स ने बल्कि सत्ता के गुणगान में लगे अनेक चौनल्स ने अपनी आँखें मूँद लीं। इसलिये ऐसे चैनल्स का यह दावा करना कि वे 'अपने सरोकारों से पीछे नहीं हटेंगे और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाते रहेंगेश ,कितना सही है ?

दरअसल आम जनता खासकर अधिकांश टी वी दर्शक मीडिया घरानों के स्वामित्व को लेकर नावाकिफ हैं। उन्हें नहीं पता कि किस चौनल का स्वामी किस राजनैतिक दल का है या किस दल के समर्थन से संसद सदस्य बना है। उसे नहीं पता कि जो एकमात्र टी वी चौनल पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व निभाते हुये सत्ता से सवाल करता रहता था और जनता के वास्तविक मुद्दों को उठाकर सत्ता व सत्ताधीशों को कटघरे में खड़ा करता था उस पर सत्ता के चहेते उद्योगपति मित्र ने नियंत्रण कर लिया है। जनता को बिल्कुल नहीं पता कि इस समय देश के अधिकांश चौनल्स व मीडिया घराने सत्ता की गोद में जा बैठे हैं। यही वजह है कि विश्व की विश्वसनीय समझी जाने वाली बी बी सी न्यूज सेवा भी सत्ता को खटकती रहती है। और विपक्षी दलों से सवाल करना और सत्ता का गुणगान करना ही इन्हें भाता है।

1975 में कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने मीडिया पर सेंसरशिप लगाकर पूरे देश के मीडिया का रोष झेला था। परिणामस्वरूप उसे सत्ता गंवानी पड़ी थी। परन्तु वर्तमान दौर में तो सत्ता अलग ही तरीके से मीडिया को नियंत्रित कर रही है। अपने उपकारों,पद लोभ,भरपूर विज्ञापनों',व्यवसायिक लाभ, चाटुकारिता से भरपूर साक्षात्कारों के प्रसारण, सत्ता के बजाये विपक्ष से सवाल पूछने जैसे लोकतंत्र व मीडिया के सिद्धांतों के विरुद्ध अपनाये जाने वाले हथकंडों के सहारे सत्ता पर नियंत्रण किया जा रहा है। मीडिया के सरोकारों की बातें करने वाला श्गोदी मीडिया श यह नहीं पूछता कि श्साहबश ने दस वर्षों में एक भी प्रेस कॉन्फरेंस क्यों नहीं की ? चाटुकार मीडिया मंहगाई,बेरोजगारी,चीनी घुसपैठ,मणिपुर, चंद उद्योगपतियों पर ही नज्र–ए–इनायत क्यों, जैसे जनसरोकारों से जुड़े अनेक सवाल सत्ता से पूछने के बजाये हिन्दू मुस्लिम,पाकिस्तान, मुस्लिम,मंदिर–मस्जिद,मदरसा,जिहाद जैसी विघटनकारी बातों में आम लोगों को उलझाकर और इसके दवरा जनता का ध्यान बांटकर सत्ता के हितों की रक्षा करने में जुटा है। चाटुकार मीडिया ने सत्ता के स्तुतिगान में ही दस साल गुजार दिये। क्या यही निष्पक्ष व जिम्मेदार पत्रकारिता है ?

हम हर साल 30 मई को 'हिंदी पत्रकारिता दिवस' इसलिये मनाते हैं क्योंकि 30 मई 1826 को 'उदन्त मार्तण्ड' नामक एक साप्ताहिक अखबार कलकत्ता से प्रकाशित किया गया था। क्रूर ब्रिटिश पराधीनता के दौर में भारतवासियों को स्वाधीनता व अपने कर्तव्यों व अधिकारों के प्रति जागरूक करना उस समय का एक चुनौती व जोखिम भरा काम था। परन्तु उस दौर में भी पत्रकारिता की जिम्मेदारी निभाते हुये पंडित जुगल किशोर शुक्ल जैसे साहसी पत्रकारों ने इस असंभव कार्य को संभव कर दिखाया। परन्तु आज के पत्रकारिता के स्वयंभू झंडाबरदार अपनी ही सरकार की कमियां निकालने का साहस नहीं जुटा पा रहे ? कहीं उपकार वश, कहीं भय वाश कहीं लालचवश तो कहीं व्यावसायिक लाभ के मद्देनजर ? यह आखिर कैसी पत्रकारिता है ? भगवंत मान सरकार द्वारा जी न्यूज को प्रतिबंधित करना निश्चित रूप से लोकतान्त्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। यह निंदनीय भी है। परन्तु न केवल जी न्यूज बल्कि इनके जैसे सभी चाटुकार मीडिया घरानों को यह मंथन भी जरूर करना चाहिये कि क्या वजह है कि इनके पत्रकारों को जगह जगह फजीहत उठानी पड़ती है ? क्यों प्रायः टीवी की लाइव डिबेट में इन्हें इसी श्सत्ता चरण वंदनाश को लेकर अपमान सहना पड़ता है ? क्यों इन्हें गोदी मीडिया,चाटुकार मीडिया,दलाल व भांड मीडिया जैसे भद्दे 'अलंकारों ' से नवाजा जाता है ? यदि भगवंत मान सरकार ऐसे चैनल्स पर प्रतिबंध लगाकर लोकतंत्र का गला घोटने की जिम्मेदार कही जाएगी तो मीडिया को बदनाम करने व इसे रसातल में ले जाने वाले मीडिया घरानों को भी लोकतंत्र के हत्यारों की सूची से अलग नहीं रखा जा सकता।

पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

— ललित गर्ग—

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ–डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट–तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे–भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल–दर–साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव–जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल–दर–साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल–कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल–समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

आगजनी की बढ़ती घटनायें

—हरि जयसिंह—

आग की खोज मानव इतिहास में महत्वपूर्ण थी, लेकिन आग भी बड़े पैमाने पर विनाश का कारण बन सकती है। आग ने महत्वपूर्ण मानवीय उपलब्धियों को बनाया भी है और नष्ट भी किया है। इसने पूरे शहरों, ऊंची संरचनाओं, मलिन बस्तियों, बाजारों और पूजा स्थलों को लगातार प्रभावित किया है। हालांकि, प्रत्येक आपदा को भविष्य की घटनाओं के लिए सीखने और तैयारियों में सुधार करने का अवसर प्रदान करना चाहिए। उदाहरण के लिए, 1871 की ग्रेट शिकागो फायर ने सार्वजनिक सुरक्षा और आग की रोकथाम में महत्वपूर्ण सुधार किए, जिसमें आग प्रतिरोधी सामग्री की आवश्यकता वाले सख्त बिल्डिंग कोड, बेहतर अग्निरोधक मानक, एक बेहतर अग्निशमन विभाग, बेहतर जल आपूर्ति बुनियादी ढांचे, सुरक्षा, शहरी आग की रोकथाम, सार्वजनिक सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना और आग पर सार्वजनिक शिक्षा में वृद्धि शामिल है।

भारत में आग लगने का एक पुराना इतिहास है, जिसमें अस्पताल में लगी आग भी शामिल है। 2021 में भोपाल के कमला नेहरू अस्पताल की शिशु देखभाल इकाई में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 4 नवजात बच्चों की जान चली गई और अन्य घायल हो गए। 1984 की कुख्यात भोपाल गैस रिसाव आपदा भारत के अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल को संबोधित करने की तात्कालिकता को और बढ़ा देती है। हाल की घटनाओं में, देश 2 विनाशकारी अग्नि त्रासदियों से हिल गया। राजकोट में एक मनोरंजन पार्क में वैल्डिंग मशीन से निकली चिंगारी के कारण 33 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। दूसरी घटना, पूर्वी दिल्ली में एक नवजात शिशु सुविधा केंद्र–'बेबी केयर न्यू बोर्न चाइल्ड हॉस्पिटल' में आग लगने से देश भर में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं में घातक आग लगने की एक दुखद शृंखला जुड़ गई है, जो ढीली अग्नि सुरक्षा के घातक परिणामों को उजागर करती है। 8 नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य को बचा लिया गया और दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

एफ.आई.आर. में बताया गया कि अस्पताल में 27 ऑक्सीजन सिलेंडर पाए गए, जिनमें से 5 आग के दौरान फट गए। अस्पताल में आपातकालीन निकास, कार्यात्मक अग्निशामक यंत्र और परिचालन अग्नि अलार्म जैसे उचित सुरक्षा उपायों का अभाव था। आग लगने के दौरान मौजूद नर्सों ने बताया कि कई बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने अस्पताल के कर्मचारियों के बीच गंभीर सुरक्षा खामियों और अपर्याप्त आपातकालीन प्रशिक्षण का उल्लेख किया। स्थानीय निवासियों ने पहले अस्पताल के सुरक्षा खतरों, विशेष रूप से ऑक्सीजन सिलैंडरों के भंडारण और प्रबंधन के बारे में शिकायत की थी। घटना के बाद, दिल्ली सरकार ने 8 जून तक सभी अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य कर दिया और जांच की घोषणा की। स्वास्थ्य मंत्री ने खुलासा किया कि अस्पताल में पहले से ही कमियां थीं और वह अवैध रूप से ऑक्सीजन सिलैंडर भर रहा था जिससे आग लगने की संभावना थी।

छोटे अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा लागू करने की दिल्ली सरकार की योजना, ज्यादा से ज्यादा, कागजों पर ही रह गई है। 5 साल पहले, दिल्ली सरकार ने छोटे अस्पतालों और नर्सिंग होमों को अग्नि सुरक्षा नियमों के तहत लाने के लिए दिशा–निर्देशों का मसौदा तैयार किया था। हालांकि, इन दिशा–निर्देशों को कभी लागू नहीं किया गया, जिससे एक महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दा अनसुलझा रह गया। नागरिक देखभाल के एक महत्वपूर्ण पहलू के प्रति यह आधिकारिक उदासीनता चौंकाने वाली है। दुर्भाग्य से, अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले अस्पतालों और क्लीनिकों पर नजर रखने में भी खामियां हैं। वास्तव में छोटे अस्पतालों और नर्सिंग होमों के लिए अग्नि सुरक्षा नियम बहुत सख्त हैं जिसके कारण लगभग 600 ऐसी सुविधाओं में गैर–अनुपालन होता है।

गुडगांव उन चिकित्सा सुविधाओं पर अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है जिनमें पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपायों की कमी है। हालांकि, बिस्तरों की संख्या, भवन की ऊंचाई और क्षेत्र के आधार पर अलग–अलग नियम लागू होते हैं। उदाहरण के लिए, 2018 में हरियाणा सरकार का क्लिनिकल एस्टैब्लिशमैंट एक्ट केवल 50 बिस्तरों से अधिक वाले प्रतिष्ठानों पर लागू होता है, जिससे छोटे अस्पताल इसके दायरे से बाहर हो जाते हैं। जैसे–जैसे अस्पताल में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है, यह स्पष्ट होता जा रहा है कि जीवन की और हानि को रोकने और मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता है।

बेरहम पति ने पत्नी को जिंदा जलाया हुई मौत

संवाददाता—गोण्डा। प्रेम विवाह करने वाले पति ने पत्नी को मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया। पुलिस ने आरोपी पति को जब पकड़ा तो वह फूट—फूट कर रोने लगा। उसने कहा कि गुस्से में आकर उसने यह खौफनाक कदम उठा लिया। मृतका के भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगरा जिले के हरी पर्वत क्षेत्र के खंदारी बापू नगर से जुड़ा है। मृतका के भाई को पड़ोसियों ने फोन करके बताया कि उसकी 23 वर्षीय बहन मुस्कान की जलकर मौत हो गई है। उसका शव कमरे में पड़ा हुआ है। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे भाई को कमरे में बहन का शव और मिट्टी तेल के डिब्बे की कैन पड़ी हुई मिली। जिसकी सूचना उसने पुलिस को दी। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद फॉरेंसिक टीम के जरिए साक्ष्य संकलन कराया। मृतका के घर वालों ने बताया कि 7 महीने पहले अमन ने मुस्कान से लव मैरिज किया था। बीते दो माह से विवाद चल रहा था। इसके बाद वह कमरा लेकर घर से अलग रह रहे थे। पुलिस ने पति अमन को दोषी पाते हुए हिरासत में लेकर पूछताछ किया। तब उसने बताया कि दोनों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद मुस्कान ने मिट्टी तेल डालकर आत्महत्या कर ली है। अमन की कहानी पुलिस के समझ में नहीं आई इसके बाद पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की। फिर अमन फूट—फूट कर रोने लगा। बताया कि मुस्कान अलीगढ़ के किसी लड़के से बात करती थी। लड़के ने मुस्कान के फोन में ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर किए थे। जिसका विरोध करने पर वह अलीगढ़ में रहने के लिए दबाव बनाने लगी। इसी बात से गुस्सा आ गया। मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दिया।परिवार की इच्छा के बिना हुई थी शादीदरअसल खंदारी की रहने वाली मुस्कान का पड़ोस के रहने वाले अमर से प्रेम संबंध हो गया था। 1 वर्ष पूर्व दोनों के परिवार वालों को इस आशय की जानकारी हुई। मुस्कान अमन के साथ विवाह करने की जिद पर अड़ गई थी। घर वालों ने अमन के साथ शादी करने से मना किया। लेकिन वह नहीं मानी। मुस्कान की जिद के आगे घर वालों की एक न चली, 7 महीने पहले मुस्कान के घर वालों ने अमन से शादी करवा दी। विवाह के 5 माह बाद तक अमन और मुस्कान अपने घर पर रहे, 2 महीने पहले किराए का कमरा लेकर अमन मुस्कान के मायके से 200 मीटर दूर मुस्कान के साथ रहने लगा था। मामले में हरी पर्वत पुलिस ने मृतका की मां के शिकायती पत्र पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करके आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

तालाब में पलटी ट्रैक्टर ट्राली चालक की मौत, मजदूरों ने कूद कर बचाई जान

संवाददाता—गोण्डा। जिले में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रैक्टर ट्राली में खाद भरकर युवक ले जा रहा था।अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे तालाब में पलट गई। जिससे चालक की मौत हो गई। जबकि ट्रॉली पर सवार मजदूरों ने कूद कर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलते ही भारी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। किसी तरह चालक को बाहर निकाला। जिला अस्पताल से लखनऊ ले जाते समय चालक की मौत हो गई। जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

संबंधित खबरें जिले के खरगूपुर थाना के गांव नारायणपुर के रहने वाले समयदीन 38 वर्ष रविवार को ट्रैक्टर ट्राली से गोबर की खाद लेकर खेत में पलटने जा रहे थे। वह ट्रैक्टर ट्राली लेकर गांव के नंद नगर मार्ग के पास स्थित तालाब पर पहुंचा ही था। अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर तालाब में पलट गई। ट्रैक्टर ट्राली पलटते देख ट्रॉली पर सवार मजदूरों ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। ट्रैक्टर पलटने के बाद चालक उसके नीचे दब गया। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के करीब आधे घंटे के बाद उसे बाहर निकाला जा सका। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। अस्पताल में कुछ देर इलाज के बाद उसे लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय चालक समयदीन की मौत हो गई। हादसे में समय दिन की मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और बच्चों का रो—रो कर बुरा हाल है। मृतक चालक का काम करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था।समयदीन की मौत ने उसकी तीन बेटियों पूनम(9), सुमन(7) व सुशील (18 माह) के सिर से पिता का साया छीन लिया है। 18 माह का सुशील घर पर जुटी भीड़ को देखकर पूरी तरह से आवाक है। शायद उसे यह पता नहीं है कि उसके पिता ने हमेशा के लिए उसका साथ छोड़ दिया।

दुकान के नौकर ने किशोरी पर डाला खौलता पानी

संवाददाता—श्रावस्ती। बिरयानी की दुकान के बगल खड़ी एक किशोरी पर दुकान ने नौकर ने खौलता हुआ पानी डाल दिया। इससे किशोरी पैर में झुलस गई। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के जमुनहा बाजार स्थित कम्पोजिट विद्यालय के मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति की बिरयानी की दुकान है। रविवार सुबह जमुनहा बाजार निवासी राधा गुप्ता (16) पुत्री जीवन लाल जो कि मंद बुद्धि की है वह विद्यालय परिसर में खेल रही थी। इस दौरान वह आकर दुकान के पास खड़ी हो गई। इस पर बिरयानी दुकान का एक नौकर किशोरी को भगाने लगा। लेकिन वह वहां से नहीं गई। इस पर नौकर ने चावल का खौलता हुआ पानी एक मग में भरकर किशोरी पर फेंक दिया। इससे किशोरी पैर में गंभीररूप से झुलस गई। रोती हुई किशोरी घर पहुंची और परिजनों को मामले की जानकारी दी। इस पर पिता जीवन लाल ने पुलिस चौकी जमुनहा पहुंचकर तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस चौकी प्रभारी राम सजीवन निषाद ने बताया मामला संज्ञान में आया है टीम को मौके पर भेजकर कार्रवाई की जा रही है।

मेलार्थियों को न हो कोई दिक्कत, रखा जाय ध्यान—डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। गिलौला विकास क्षेत्र के दिकौली स्थित बुढ़वा बाबा की दहगाह पर मेले का आयोजन चल रहा है। प्रशासन मेले में सभी व्यवस्थाओं को लेकर मुस्तैद है। अधिकारी लगातार मेले का भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं।

जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने रविवार को दिकौली पहुंचकर मेले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने पूरे मेला परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मेले की व्यवस्था में लगे अधिकारी सभी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरूस्त बनाए रखें। बैरिकेटिंग, पेयजल, बैरियर, मोबाइल शौचालय, साफ—सफाई, पार्किंग व्यवस्था के साथ ही अन्य व्यवस्थाएं मुकम्मल रखी जाय। जिससे मेले में आने वाले श्रृद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो। मेले को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शान्तिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराया जाय। उन्होंने कहा कि मेला प्रारम्भ होने से लेकर मेला समाप्ति तक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगायी गई है जो मेला क्षेत्र में मौजूद रह कर शान्ति बनाए रखेंगे। उन्होंने पेयजल के टैंकर भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। जिससे इस भीषण गर्मी में पानी की उपलब्धता बनी रहें। डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया है कि मेले में स्वास्थ्य कैंप तथा कुशल चिकित्सकों व आवश्यक व्यवस्थाओं से सुसज्जित मोबाइल एम्बुलेंस की उपलब्धता मेला समाप्ति तक मेला परिसर में रखेंगे। उन्होंने मेला प्रबन्ध समिति के सदस्यों से बात कर मेले को व्यवस्थित ढंग सम्पन्न कराने को कहा। जिससे मेले में लगी दुकानों आदि व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा सके। उन्होंने घाट पर कपड़े बदलने के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था का निर्देश दिया और कहा कि महिलाओं को स्नान करने के बाद समस्या नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर उपजिलाधिकारी जमुनहा एसके राय समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

दरगाह शरीफ में शामिल होने के लिए तिरंगा झंडे को बनाया चादर, हिंदू जागरण मंच ने जताई आपत्ति

संवाददाता—बहराइच। दरगाह थाना क्षेत्र स्थित सैयद सालार मसूद गाजी की मजार पर प्रति वर्ष मेला लगता है और हजारों की संख्या में जायरीन पहुंच कर चादर चढ़ाते हैं। इस बार का मेला शुरू हो गया है और बरात व निशान लेकर जायरीन के आने का सिलसिला शुरु हो गया है। ऐसी ही एक बरात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ जायरीन तिरंगा झंडे को चादर की तरह ले जाते दिख रहे हैं। हिंदू जागरण मंच ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

दरगाह मेले में शामिल होने वाली बरात का वायरल वीडियो अमर उजाला के पास भी है। लेकिन अमर उजाला इसकी पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो में तिरंगे को कुछ लोग चादर की तरह लिए दिख रहे हैं। वहीं इसमें एक हरे रंग का पकड़ा और कुछ पैसे भी पड़े दिख रहे हैं। इन जायरीन के आगे डीजे व अन्य लोग भी शामिल होते दिख रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर हिंदू जागरण मंच ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक अधिवक्ता धनंजय सिंह ने बताया कि पूर्व में जिला प्रशासन के संज्ञान में कई बातें लाई गई थीं। लेकिन जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के उदासीन रवैये के कारण देश की अस्मिता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज को अपमानित किया गया है। कब्रगाह पर चादर बनाकर देश के झंडे को पहनाने के लिए ले जाना गलत है। धनंजय ने कहा कि जिले के पुलिस बरातों में शामिल बड़े—बड़े डीजे को लेकर भी कोई आपत्ति नहीं कर रही, जबकि हिंदुओं के विसर्जन के दौरान नियमों की दुहाई देती है। अगर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को चादरनुमा बनाकर और बिना अनुमति डीजे ले जाने वालों पर कार्रवाई न हुई तो हिंदू जागरण मंच प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत होकर शिकायत करेगा।

जहरीला पदार्थ खाने से युवती की हालत गंभीर

संवाददाता—महराजगज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने रविवार की सुबह घर में रखी कीटनाशक दवा निगल गई। हालत बिगड़ने पर परिजनों को जानकारी हुई। आनन फानन में परिजन उसे सीएचसी रतनपुर ले गए। वहां उपचार के बाद में युवती की हालत में सुधार हो रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि युवती की तबीयत ठीक होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी का मनाया गया बरहईया

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। श्री राम नगरी में संतो की अनेक परंपराएं है। जिसमें से एक रसिक परंपरा है और रसिक परंपरा कि सिद्ध पीठ श्री रसमोद कुंज में निरंतर उत्सव आनंद चलता ही रहता है इसी क्रम में माता जानकी की मुख्य सहेली सर्वेश्वरी श्रीमती चंद्रकला महारानी का बरहईया मंदिर के पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के संयोजन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वेश्वरी चंद्रकला जी महारानी का जन्म वैशाख शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि को माता जानकी के छठी के दिन हुआ था। महारानी के बरही उत्सव पर प्रातरूकाल मठ में कई धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुए। उसके बाद श्री सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का भव्य श्रृंगार कर पूजन—अर्चन

किया गया।

मंदिर के पुजारी ने सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी को भोग लगाकर दिव्य आरती उतारी और सायंकाल बधाई गाई गई जिसमें अयोध्या के संत महंत सहित कई श्रद्धालु उपस्थित होकर के महारानी जी का बहरिया मनाए।

श्री रसमोद कुंज पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुवार को सर्वेश्वरी चंद्रकला महारानी जू का बरहईया धूमधाम से मनाया गया। सायंकाल जन्म बधाई का आयोजन किया गया। कलाकारों ने अपने—अपने गायन—वादन से भक्तगणों को मंत्रमुग्ध किया। कलाकारों को न्यौछावर भी भेंट हुआ।मठ उत्सव के रंग में डूबा रहा। अंत में संत—महंत और भक्तगणों को प्रसाद बांटा गया।इस अवसर पर व्यास राघवेंद्र शरण, राजेंद्र पांडेय, लालजी शरण, पुजारी रामस्वरूप शरण, युगल शरण, व्यास ओंकार, रामचंद्र सिंगारी, लाडली शरण, पंडित प्रेम शास्त्री, कपिल, रामभरोसे आदि उपस्थित रहे।

कहीं आरओ खराब, कहीं हैंडपंप से नहीं निकल रहा पानी

संवाददाता—श्रावस्ती। भीषण गर्मी में हर समय लोगों के हलक सूखे रहते हैं और लोगों को बार बार अपनी प्यास बुझाना पड़ता है। लेकिन अस्पतालों में लगे आरओ व हैंडपंप लोगों की प्यास बुझाने में नाकाफी साबित हो रहे हैं। कहीं हैंडपंप तो कहीं आरओ महीनों से खराब है और जिम्मेदार उसकी मरम्मत कराने की जहमत नहीं उठा रहे। इकौना विकास क्षेत्र के कटरा स्थित राजकीय पशु अस्पताल में लोगों को शतल व शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के लिए लाखों खर्च कर आरओ लगाया गया है। जिससे लोग अस्पताल आने पर पानी पी सकें। लेकिन यह आरओ जिम्मेदारों की उदासीनता की भेंट चढ़ गया है। अस्पताल में लगा आरओ महीनों से खराब हैं और जिम्मेदारों ने उसकी मरम्मत नहीं कराई है। लोगों का कहना है कि इस समय भीषण गर्मी हो रही है। प्यास के मारे हर समय गला सूखा रहता है। लेकिन पशु अस्पताल में शीतल व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं है।

क्योंकि यहां लगा आरओ महीनों से खराब है। इसी तरह जमुनहा विकास क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदत्त नगर गिरंट में जल निगम का एक भी हैंडपंप नहीं लगा है। यहां मात्र एक छोटा नल लगा। हर दिन यहां दर्जनों लोग इलाज कराने आते हैं। इस भीषण गर्मी में अस्पताल आने वाले लोगों को शुद्ध व शीतल जल नहीं मिल पाता है। अस्पताल में लगा एक मात्र छोटा नल भी कई महीनों से खराब पड़ा है। ऐसे में जो मरीज व तीमारदार अस्पताल आते हैं उन्हें पानी टंकी का गर्म पानी पीकर अपना गला तर करना पड़ता है। क्योंकि गर्मी अधिक होने के कारण टंकी का पानी दिन में गर्म ही रहता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल में शुद्ध व ठंडे पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। यहां न तो बड़ा हैंडपंप लगा है और न ही आरओ की व्यवस्था है।

गरीब की सेवा करना पुनीत कार्य —कर्नल विपिन

संवाददाता—गोण्डा। देश की सेवा के साथ समय मिलने पर गरीब लोगों की सेवा करना मनुष्य का पुनीत एवं परम कर्तव्य है। भारतीय सैनिक हर पल किसी भी अनहोनी का मुंहतोड जबाब देने के लिए तैयार रहता है। ये बातें बातें कर्नल विपिन शुक्ल ने सैनिक परमार्थ चिकित्सालय महेवानानकार में आयोजित एक कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुमार शुक्ल ने किया। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद तिवारी नेकिया।

पूर्व सैनिक स्वर्गीय कर्नल श्रीनिवास शुक्ल की याद में बने सैनिक परमार्थ चिकित्सालय महेवानानकार में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें करीब पांच सौ मरीजों की मोबाइल वैन पर पैथालोजी जांच, इलाज व दवाई वितरित की गई। इसमें पीएचसी तामापार आदि स्थानों से मेडिकल सेवाएं प्रदान की गयी। इस मौके पर डॉ. एके विसेन, डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. रश्मि वर्मा, पूर्व सैनिक कैडी दूबे, विनोद गुप्ता, कवि केदार नाथ मिश्र, संतोष शुक्ला, सत्यदेव मिश्र, अखंड प्रताप सिंह, करुणा सागर पान्डेय, देव उपाध्याय, अरविंद शुक्ला, सचिन मौर्य आदि मौजूद रहे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस हुआ पुलिस

संवाददाता—श्रावस्ती। पुलिस लाइन में बने भोजनालय का सौन्दर्यीकरण कराकर सभी जरूरी सुविधाओं से लैस कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने फीता काटकर रविवार को भोजनालय का शुभारम्भ किया। अब यहां पौष्टिक भोजन के साथ ठंडा पानी व मनोरंजन के लिए एलईडी की सुविधा मिलेगी। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की ओर से पुलिस कर्मियों के वेलफेयर के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त पुलिस लाइन में बने भोजनालय का सौन्दर्यीकरण कराया गया है। जिसमें पुलिस लाइन में निवास करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों व अन्य कर्मचारीगणों को पौष्टिक भोजन मिलता है। मेस भवन में मनोरंजन के साधन एलईडी टीवी के साथ ही ठण्डा पेय जल के लिए वाटर कूलर, फ्रीज व ताजी हवा के लिए कूलर, पंखे आदि की व्यवस्था की गयी है। भोजनालय में लगभग 70 पुलिस कर्मी एक साथ बैठ कर भोजन कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने प्रतिदिन पुलिस कर्मियों को निर्धारित मीनू चार्ट के अनुसार पौष्टिक तथा समय पर भोजन प्रदान करने व भोजनालय में बेहतर साफ सफाई रखने के लिए मेस मैनेजर को निर्देश दिया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, क्षेत्राधिकारी भिनगा अतुल कुमार चौबे, क्षेत्राधिकारी जमुनहा सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

सफर में यात्री बीमार, स्टेशन पर किया इलाज

संवाददाता—गोंडा। आनंद विहार से सहरसा की यात्रा कर रहे एक यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह स्पेशल ट्रेन से 05306 के कोच एस—3 के बर्थ नंबर 13 पर सफर कर रहा था। ट्रेन के गोंडा स्टेशन पहुंचने पर रेलवे अस्पताल के डॉ. एसके मिश्रा ने यात्री का इलाज किया। यात्री के इलाज के दौरान ट्रेन 14 मिनट तक स्टेशन पर खड़ी रही। इसके बाद ट्रेन को ग्रीन सिग्नल दिया गया।

मुजेहना ब्लाक में 35000 से ज्यादा पशुओं को इलाज मिलना दुश्वार

संवाददाता—गोण्डा। जिले का मुजेहना ब्लॉक पशु चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। एक डॉक्टर के कई ब्लॉक होने के कारण उसकी सेवाएं न के बराबर मिल पाती हैं। वेटनरी फार्मासिस्ट के पास भी दो जगहों का चार्ज है। बरसात शुरू होने से पहले पशुओं में संक्रामक बीमारी फैलने से रोकने लिए टीकाकरण कराया जाता है। इस बार विभाग कोई नहीं दे रहा है। मुजेहना में तैनात पशु चिकित्सा अधिकारी डा. नजमुल इस्लाम की ड्यूटी लोकसभा चुनाव में लगाई गई थी। चुनावी ड्यूटी से वह लौटे या नहीं किसी को भी मालूम नहीं है। डा. नजमुल इस्लाम की इटियाथोक ब्लॉक में तैनाती है। उनके पास मुजेहना का चार्ज है। पशु चिकित्सक की सेवाएं न मिलने से पशुपालक परेशान हैं। ऐसी दशा में ब्लॉक के 35 हजार से ज्यादा पशुओं का उपचार राम भरोसे है। क्षेत्र के पशु पालकों ने ब्लॉक के लिए स्थाई तौर पर पशु चिकित्सक तैनात करने की मांग की है। विकासखंड मुजेहना में खौदी, पंडित परसिया, तेंदुआ मोहनी, मूसापुर, दुर्जनपुर, बेसहूपुर, रुद्रगढ़ नौसी समेत कई गांवों में बेसहारा मवेशियों को रखने के लिए गोशालाएं बनाई गई है। इनमें सैकड़ो गोवंश रहते हैं। जानकारी के अनुसार इन गोशालाओं के अतिरिक्त पशुपालकों के यहां छोटे—बड़े मिलकर करीब 35 हजार से अधिक जानवर रह रहे हैं। लेकिन पशु चिकित्सा विभाग इनके स्वास्थ्य के लिए गम्भीर नहीं है। भीषण गर्मी में लोगों के साथ बेजुबान भी परेशान हैं। बरसात का मौसम सिर पर है लेकिन पशुओं का टीकाकरण कौन रहे बीमार होने पर इलाज करना मुश्किल है। जानवरों के बीमार होने पर पशुधन प्रसार अधिकारी और पैरावेट ही इनके इलाज की जिम्मेदारी निभाते हैं। पशु अस्पताल आए सनातन प्रसाद तिवारी ने बताया कि फिलहाल अप्रैल से ही डॉक्टर साहब चुनावी ड्यूटी पर हैं। पहले भी वह समय पर नहीं मिल पाते थे। डॉक्टर के अस्पताल पर न बैठने से पशुओं को समय से चिकित्सीय सुविधा नहीं मिल पाती है। पंडित परसिया के ग्राम प्रधान इंद्रसेन पाठक ने बताया कि जानवरों का स्वास्थ्य खराब होने पर पशुधन प्रसार अधिकारी व टीकाकरण में लगे युवक ही इलाज करने आते हैं। तेंदुआ मोहनी की ग्राम प्रधान संगीता ने बताया कि हमारी गौशाला में डॉ राजकमल चौधरी के बाद कोई डॉक्टर नहीं आया। काफी दिनों से पशुओं की टैगिंग भी नहीं हुई है। रुद्रगढ़ नौसी के प्रधान प्रतिनिधि मंसूर अली ने बताया कि हमारी यहां गौशाला में करीब 400 से अधिक मवेशी हैं। इनकी देखभाल के लिए डॉक्टर की सेवाएं मिलना बहुत जरूरी है। डॉ. ठाकुरजी पांडेय, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने कहा कि पशु चिकित्सकों की चुनाव में ड्यूटी लगाए जाने की वजह से पशुओं में थोड़ी—बहुत परेशानी आ रही है। उम्मीद है जल्द ही व्यवस्था सुचारू हो जाएगी।

तापमान में दो डिग्री गिरावट, पर गर्मी से राहत नहीं

संवाददाता—श्रावस्ती। जिले के मौसम में शनिवार शाम को कुछ देर के लिए बादल छाने और धूल भरी तेज हवा चलने से बदलाव देखा गया। इससे तापमान में दो डिग्री सेल्सियस गिरावट आई तो लोगों को उमस भरी गर्मी से कुछ देर के लिए राहत मिली। लेकिन रविवार दिन में चिलचिलाती धूप ने एक बार फिर लोगों को परेशान कर दिया। जिले का तापमान रविवार को दो डिग्री घटकर अधिकतम 40 डिग्री तो न्यूनतम 28 डिग्री रहा। शनिवार को पूरा दिन कड़ाके की धूप के बाद शाम करीब सात बजे अचानक मौसम ने करवट बदला और धूलभरी आंधी चलने लगी। उड़ती धूल से लोगों को समस्या तो हुई लेकिन कुछ देर के लिए उमसभरी गर्मी से राहत मिल गई। लेकिन रात में कुछ इलाकों में आंधी के चलते बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। इससे लोगों को एक बार फिर भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। रविवार सुबह एक बार फिर आसमान में बादल छा गए। लोगों को बारिश की उम्मीदें बंध गई लेकिन 10 बजते ही चिलचिलाती धूप निकल आई। इससे लोगों को भीषण गर्मी व लू का सामना करना पड़ा। पूरा दिन चटक धूप में लोग बेहाल रहे और लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर होना पड़ा। जरूरी काम से घरों से निकले लोग मुंह को गमछे से ढके नजर आए तो वहीं कई स्थानों पर लोग पेड़ के नीचे आराम करते देखे गए। पूरा दिन सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा और बाजार सूनसान रहे। शाम पांच बजे के बाद सड़कों पर आवाजाही बढ़ी और बाजार में भी चहल पहल बढ़ गई। वहीं दोपहर में कटरा क्षेत्र में कुछ बच्चे नलकूप की हौज में नहाकर गर्मी से बचाव करते देखे गए।

सिरसिया इलाके में सुबह दिन की शुरुआत तेज ठंडी हवा व आसमान में काले बदलों के साथ हुई। आठ बजते ही हल्की बूंदा बांदी शुरू हो गई जो बाद में झमाझम बारिश में बदल गई। करीब 15 मिनट तक तेज बारिश होती रही। हालाकि पूरे क्षेत्र में बारिश नहीं हुई। क्षेत्र के चौलाही, सोनबरसा, चिल्हरिया, गब्बापुर, कमदी, सेमरा, जनकपुर, सिरसिया आदि क्षेत्रों में बारिश हुई। जबकि इसी क्षेत्र में स्थित गुलरा व अन्य कई गांवों में बारिश की एक बूंद भी नहीं गिरी। इस क्षेत्र में बारिश से लोगों को कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल गई। लेकिन 10 बजते ही लोगों को एक बार फिर चिलचिलाती धूप का सामना करना पड़ा और लोग पूरा दिन गर्मी से आजिज रहे। तापमान का चढ़ता पारा लोगों की सेहत पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। लू की चपेट में आने से जिला अस्पताल समेत सभी सीएचसी व पीएचसी अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। ऐसे में लोगों की भीषण गर्मी से बचने को कहा जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक डा. प्रवीन कुमार ने बताया कि लू का असर लोगों पर तेजी से पड़ता है। ऐसे में प्रतिकूल मौसम के बीच हमें स्वस्थ रहने के लिए एहतियात बरतना जरूरी है। लू से बचने के लिए थोड़े—थोड़े अंतराल पर पानी पीते रहें। तेल मसाले वाली खाद्य सामग्री का सेवन करने से बचें। अपने भोजन में ऐसी खाद्य सामग्रियों को शामिल करें जिनमें पानी की पर्याप्त मात्रा हो। ओआरएस घोल का सेवन करते रहें। उल्टी—दस्त शुरू होने पर तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें। धूप में निकलने से बचें। सिर व शरीर के अन्य हिस्से को ढककर रखें।

परिषदीय विद्यालय परिसर में लगाने के लिए दिए पौधे

संवाददाता—गोंडा। जिले के मनकापुर ब्लॉक के सोनबरसा बक्सरा के कम्पोजिट विद्यालय के शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने स्कूली छात्रों के साथ प्रगतिशील किसान वैज्ञानिक शिवकुमार मौर्य के बाग और खेतों का भ्रमण किया। शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया ने बच्चों को सजावटी, औषधीय, सब्जियों, फलों, मसालों के पौधों से परिचित कराया। शिवकुमार ने विद्यालय में लगाने के लिए पौधे दिए।

इस मौके पर सुनील कुमार आनंद, पिंकी देवी, रागिनी देवी, शुभम सिंह कनौजिया, कोमल सिंह कनौजिया, स्वर्णिमा शामिल रही।

महिला समेत दो को पीटा, तीन पर मुकदमा

संवाददाता—गोंडा। थानाक्षेत्र के ग्राम बलमत्थर के गौरी पाण्डेय पुरवा में राह चलते एक व्यक्ति को दस दिन पूर्व अपशब्द कहने के बाद घटना की पुनरावृत्ति हुई। पीड़ित बनारसी ने गांव के ही मोनू व रामावती के खिलाफ थाने में धमकी व मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं ग्राम मधइपुर कुर्मी के घुघुआपुर की रहने वाली लखपता ने घरेलू विवाद को लेकर देवर राम छवि पर धमकी सहित पिटाई का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार शुक्ल ने बताया कि दोनों मामलों में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

शांतिभंग की आशंका में दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता—गोंडा। पुलिस ने रविवार को शांतिभंग की आशंका के चलते क्षेत्र के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। थानाध्यक्ष कौड़िया अंकुर वर्मा ने बताया कि क्षेत्र के रामवचन पुत्र नेवल किशोर व लल्लू उर्फ धीरेंद्र कुमार पुत्र नाथूराम शुक्ला निवासीगण मुजेड जेठ पुरवा को शांति भंग की आशंका के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। इसमें उप निरीक्षक संजय कुमार सिंह, सुरेश मणि मिश्र रहे।

अयोध्या भाग्यनगर सीतारामाय सेवा फाउंडेशन आज भी चला रहा है प्रसादी सेवा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। यह पावन पुनीत अयोध्याधाम है। जिसे सप्तपुरियों में मस्तक कहा गया है। इस पुण्य भूमि पर मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने अवतार लेकर लोगों का कल्याण किया। श्रीराम ने पूरी दुनिया को मानवता का पाठ पढ़ाया। अयोध्यानगरी में अनेकों दाता—धर्मी हुए हैं, जिनके संयोजन में कई सेवा प्रकल्प के कार्य संचालित हुए। इनमें से कई सेवा प्रकल्प के कार्य आज भी चल रहे।

इन्हीं में से एक है अयोध्या भाग्यनगर सीतारामाय सेवा फाउंडेशन। जो रामनगरी के मुरारी दासजी का स्थान तुलसीबाड़ी में श्रद्धालु—भक्तों के लिए विशाल भंडारा चला रहा है, जिसमें प्रतिदिन हजारों की संख्या में दक्षिण भारत के श्रद्धालुगण भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए यह भोजन प्रसादी सेवा श्रीरामलला सरकार की प्राण—प्रतिष्ठा से चल रहा है। अयोध्या भाग्यनगर सीतारामाय सेवा फाउंडेशन के आचार्य श्रीनिवास शास्त्री व उनकी धर्मपत्नी गायत्री ने बताया कि अयोध्याधाम में दर्शन—पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालु और भक्तजनों हेतु संस्था की तरफ से भंडारा चलाया जा रहा है। भंडारे में प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु—रामभक्त भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। यह भोजन प्रसादी सेवा अनवरत चलता रहेगा। भंडारा प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शुरू होकर देररात्रि 10 बजे तक चल रहा है। भंडारे में बड़ी संख्या में दक्षिण भारत के श्रद्धालुगण भोजन प्रसादी पा रहे हैं। श्रीरामलला सरकार के प्राणप्रतिष्ठा से ही यह विशाल भंडारा चलाया जा रहा है, जिसमें अब तक लाखों की संख्या में रामभक्त भोजन प्रसादी ग्रहण कर चुके हैं। यह सेवा पूरी तरह निशुल्क है। श्रद्धालुओं को बैठाकर पूरे सेवा और मनोभाव के साथ भोजन ग्रहण कराया जा रहा है। श्रद्धालुगण बड़े ही चाव संग भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। यह बहुत ही पुनीत कार्य है। इससे लोगों को सेवा का कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। इस कार्य में सामर्थ्यवान लोगों को बढ़—चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे भूखे व्यक्तियों को भोजन मिले और परमार्थ का काम हो सके।

शेर को शांत करते, गैंडों को केले खिलाते दिखे सीएम योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (गोरखपुर चिड़ियाघर) का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिड़ियाघर में करीब एक सप्ताह पूर्व इटावा लॉयन सफारी से लाए गए बब्बर शेर पांच साल के भरत और शेरनी सात साल की गौरी को भी देखा। योगी को देख बाघ (रायल बंगाल टाइगर) अमर एक पैर उठाकर यूं दहाड़ पड़ा मानों देश के सबसे प्रभावशाली मुख्यमंत्री को सलामी दे रहा हो। उसकी दहाड़ पर सीएम हंस पड़े और कहने लगे, क्या रे, कैसा है तू। इस दौरान एक कर्मचारी को उन्होंने यह समझाया कि बाड़े की जाल को मत छुओ, इससे बाघ नाराज हो रहा है। बब्बर शेर पटौदी ने भी अपने बाड़े के सामने सीएम को देख दहाड़ लगाकर सलामी पेश की। योगी शेर और बाघ के जिन भी बाड़ों में पहुंचे, इन वन्यजीवों ने उन्हें देखकर दहाड़ लगाई और खुश कर दिया। चिड़ियाघर का निरीक्षण करने के दौरान मुख्यमंत्री ने गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी को केला खिलाया और अन्य कई वन्यजीवों के बारे में जानकारी लेकर उनकी समुचित देखभाल के निर्देश चिड़ियाघर के अधिकारियों को दिया।

सीएम योगी को जब भी मौका मिलता है, वह यहां आकर वन्यजीवों का दीदार करते हैं। रविवार को चिड़ियाघर पहुंचने पर उन्होंने सबसे पहले पूरे चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए निरीक्षण किया। इस दौरान उनकी नजर गैंडों की जोड़ी हरि और गौरी पर पड़ी तो वह मुस्कुरा उठे। सीएम बाड़े के पास पहुंचे और अपने हाथों से दोनों को केला खिलाया। गैंडों की यह जोड़ी मुख्यमंत्री को काफी प्रिय है और इसके पहले भी वह यहां आकर उन्हें केला खिला चुके हैं। भ्रमण के दौरान उन्होंने शेर, बाघ, सफेद बाघ, हिरण, बंदर, जैकाल, तेंदुआ, हिप्पो, भालू आदि के बाड़ों की जानकारी भी ली। उनके साथ चल रहे डीएफओ और चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने वन्यजीवों के देखभाल के बारे में जानकारी लेते रहे। मुख्यमंत्री जब बाघ अमर के बाड़े के पास पहुंचे तो वह उन्हें देखकर सलामी देने की मुद्रा में एक पैर उठाकर दहाड़ने लगा। उसे ऐसा करते देख सीएम योगी हंसने लगे। अमर को दहाड़ते देख मैलानी और सफेद बाघ गीता ने भी खूब दहाड़ लगाई। जब वह पहले से इस चिड़ियाघर में मौजूद बब्बर शेर पटौदी के बाड़े के पास पहुंचे तो वह भी सलामी देने के अंदाज में दहाड़ने लगा।

उन्होंने एक सप्ताह पूर्व यहां लाए गए बब्बर शेरों भरत और गौरी को भी देखा और उन तेंदुओं चंडी और भवानी के पास भी गए, जिनको अपने हाथों से दूध पिलाकर नामकरण उन्होंने खुद किया था। इस दौरान उन्होंने वन्यजीवों के रेस्क्यू करने के तरीके और उनके इलाज तथा खानपान के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में इलाजरत वन्यजीवों को भी देखा और पूछा कि ये कब तक स्वस्थ हो जाएंगे? चिड़ियाघर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां आए दर्शकों से भी मुलाकात की। देवरिया से आए दर्शकों के एक समूह ने उनसे कहा कि आपने चिड़ियाघर के रूप में पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए ज्ञान और मनोरंजन की एक बड़ी सौगात दी है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कई बच्चों को दुलारकर आशीर्वाद दिया और उन्हें चॉकलेट भी गिफ्त की। हिप्पो के बाड़े के पास मौजूद समद अंसारी नामक बालक सीएम के हाथों चॉकलेट पाते ही खुशी से उछल पड़ा। सीएम के चिड़ियाघर निरीक्षण के दौरान निदेशक–डीएफओ विकास यादव, एसडीओ डा. हरेंद्र सिंह, पशु चिकित्सक डा. रवि आदि मौजूद रहे।

गर्मी में मामूली कमी होते ही बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या रविवार को 81 हजार ने किए रामलला के दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। भीषण गर्मी के चलते अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या घट गई थी। जैसे ही नौतपा का ताप कम हुआ, श्रद्धालुओं की संख्या फिर बढ़ने लगी है। रविवार को जिले का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जिससे धूप व गर्मी का असर कम रहा। इसके चलते अयोध्या में पर्यटन का माहौल नजर आया। छुट्टी का आनंद उठाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक अयोध्या पहुंचे। रविवार को रामलला के दरबार में 81 हजार भक्तों ने दर्शन–पूजन किए। श्रद्धालुओं की संख्या दो गुना घट गई थी। रामलला के दरबार में जहां रोजाना डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन–पूजन को आ रहे थे, नौतपा में यह संख्या घटकर 50 से 60 हजार पहुंच गई थी। नौतपा का समापन रविवार को हुआ तो मौसम में भी परिवर्तन दिखा। तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई।

रविवार को दिन भर श्रद्धालुओं की चहल–पहल दिखी। रामलला के दरबार में सुबह से शाम तक भक्तों की कतार लगी रही। शाम पांच बजे तक 81 हजार श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई थी। वहीं सरयू तट पर भी पर्यटन का माहौल नजर आया। राम की पैड़ी पिकनिट स्पॉट की तरह दिखी। गर्मी दूर भगाने के लिए लोग पैड़ी में स्नान करते नजर आए। शाम को सरयू तट पर होने वाली सरयू आरती में भी श्रद्धालुओं की भीड़ रही। अखिल भारतीय चाणक्य परिषद व श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट की बैठक प्रेस क्लब सिविल लाइन में हुई। बैठक के मुख्य अतिथि परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक एवं श्री परशुराम सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित कृपा निधान तिवारी ने बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में भगवान परशुराम मंदिर बनाने की मांग को लेकर राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र को ज्ञापन सौंपने का निर्णय हुआ है। भगवान राम व भगवान परशुराम का संवाद भी रामायण का एक हिस्सा है। इसलिए भगवान परशुराम का भी मंदिर राममंदिर में बनने चाहिए। बैठक में परिषद से युवाओं को जोड़ने के लिए युवा विंग का गठन करते हुए सुनील कुमार पांडेय को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री लषणधर त्रिपाठी और अध्यक्षता पूर्व प्रधान उमाशंकर तिवारी ने की। बैठक में प्रयाग दत्त तिवारी, कौशल किशोर मिश्रा, केपी तिवारी, अशोक कुमार तिवारी, देवेंद्र पांडेय, इंद्रदेव प्रसाद चौबे, सुनील पांडेय ,डॉ॰ दुर्गा प्रसाद तिवारी, उमा प्रसाद दुबे, शिवाकांत तिवारी सहित बड़ी संख्या में परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लू को लेकर सभी रहें सतर्क, बच्चों और बुजुर्गों का रखें पूरा ध्यान

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में तेज गर्मी के साथ चल रही लू को लेकर प्रशासन पूरी तरह से एलर्ट हो गया है। डीएम महेन्द्र सिंह तंवर वृहद एडवायजरी जारी है। सभी से सतर्कता बरतने की अपील के साथ ही प्रशासनिक जिम्मेदारों और स्वास्थ्य विभाग को भी पूरी तरह से एलर्ट कर दिया है। कहा है कि लू को लेकर सभी रहें सतर्क, बच्चों और बुजुर्गों का पूरा ध्यान रखें। इसके अलावा जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम को सक्रिय कर दिया गया है। हर दिन अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का डाटा भी कलेक्ट किया जा रहा है। इसके अलावा मृतकों का डाटा और कारण भी जिलाधिकारी ने तलब किया है। मौसम को देखते हुए डीएम ने कहा कि सभी लोग लू से सतर्कता बरत कर ही बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत जरूरत न हो तो घरों से बाहर न निकलें। खिड़कियों और दरवाजों को बंद रखें और खासकर बच्चों और बुजुर्गों का विशेष रूप से ध्यान रखें। डीएम ने अपील किया कि खान पान का भी ध्यान रखें। छांछ, सत्तू, मट्ठा, बेल का शर्बत, नमक–चीनी का घोल, नीबू पानी या आम के पना का सेवन करें। सूती कपड़े का प्रयोग करें। जिलाधिकारी ने लोगों के अपील के साथ ही अस्पतालों को भी एलर्ट मोड पर दिया है। सभी लेखपालों को अपने–अपने क्षेत्र पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। गर्म लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वांस गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान, कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र का न होना अथवा इसमें कमी आदि मुख्य लक्ष्य है। इन लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर में उच्च तापमान के आतंरिक अंगों, विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाता है। इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता है। जिलाधिकारी ने सभी सरकारी और गैर सरकारी कार्यस्थलों पर विशेष रूप से व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कार्य का समय बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने, सीधे धूप से बचाने, श्रमिकों का सुबह और शाम के समय में काम करने का समय निर्धारित किया। इसका सभी को ध्यान देने की जरूरत है।

शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए मोलनापुर सब स्टेशन से की जाएगी सप्लाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शहर में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विद्युत विभाग आपूर्ति के लिए मशक्कत कर रहा है। अब शहर के दो से अधिक मोहल्ले में मोलनापुर सब स्टेशन से सप्लाई की जाएगी। शहर के इन कनेक्शनधारियों को पांच एमवीए के टांसफार्मर से जोड़ा जाएगा। लगभग 20 हजार शहरी उपभोक्ताओं को मोलनापुर सब स्टेशन से बिजली मिलेगी। शहर के बिजली आपूर्ति का लोड काफी बढ़ जाने से बार–बार बिजली कटने से शहर के उपभोक्ता परेशान होते हैं। इसे दुरुस्त करने के लिए कटौती करनी पड़ती है। इसका खामियाजा उन उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ता है जिन क्षेत्र की आपूर्ति सामान्य रहती है। इस समस्या से निपटने के लिए विभाग ने शहर के उपकेन्द्र का लोड कम करने का फैसला किया है। इसके तहत विभाग करीब 20 हजार उपभोक्ताओं को मोलनापुर सब स्टेशन से जोड़ने की तैयारी में है। विभाग का कहना है कि इस पावर हाउस से आपूर्ति होने पर शहर में बिजली की ट्रिपिंग काफी कम हो जाएगी। इसके लिए विभाग ने कार्य शुरू कर दिया है। अधीक्षण अभियंता रमेश कुमार सिंह ने बताया कि ओवरलोड को देखते हुए यह व्यवस्था बनाई गई है। जल्द ही मोलनापुर से कुछ उपभोक्ताओं को हम लोग बिजली देंगे। इससे ट्रांसफार्मर ओवरलोड नहीं होंगे।

त्रिलोकपुर से गायब बाइक बढ़नी नहर में मिली

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बलरामपुर जिले के पचपेड़वा थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर से शनिवार की रात गायब हुई बाइक रविवार की अलसुबह बढ़नी क्षेत्र के कल्याण नगर उर्फ ह्रदय नगर नहर के पास मिली। पुलिस ने वाहन बरामद कर वाहन मालिक को सौंप दिया। बढ़नी कस्बे के वार्ड नंबर सात निवासी सुमित साहू पुत्र सरजू प्रसाद शनिवार की शाम को त्रिलोकपुर स्थित अपने नए मकान पर गए थे। वह त्रिलोकपुर मकान पर ही बाइक खड़ी करके सोने चले गए। रविवार कह सुबह सोकर उठे तो देखा बाइक गायब थी। आसपास पता करने पर भी वाहन का पता नहीं चला। इसकी सूचना उन्होंने पचपेड़वा पुलिस को दी। वही ढेबरूआ थाना क्षेत्र के पुलिस चौकी बढ़नी को रविवार की भोर में सूचना मिली की ह्रदय नगर पुलिस चौकी के पास बाइक पड़ी है। सूचना पर कांस्टेबल धर्मेंद्र मौर्य ने पहुंचकर वाहन को नहर से बाहर निकाला।

विदेश भेजने वाली कंपनी के संचालक पर एक और मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट पुलिस ने सिंघड़िया स्थित विदेश भेजने वाली ग्लोबल कंपनी के संचालक सन्नी सिंह व अभिषेक सिंह उर्फ नीतू के खिलाफ एक और केस दर्ज किया है। 15 दिन पहले पुलिस ने ग्लोबल ट्रेनिंग सेंटर पर छापा मारकर करीब 300 पासपोर्ट एवं नकदी बरामद किया था। शाहपुर के कौआबाग निवासी तनवीर आलम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वे यूरोप जाने के लिए ग्लोबल कंपनी से मिले थे। उन्हें 3.50 लाख खर्च बताया गया। जनवरी 2023 में 80 हजार रुपये लेकर ऑफर लेटर दिया गया। फिर 20 हजार रुपये वापस देकर दिल्ली स्टपिंग के लिए भेज दिया गया। दिल्ली में वे क्रोएशिया दूतावास गए जहां उन्हें ग्लोबल का एजेंट मिला। उसने दो लाख 70 हजार लिए और कहा कि 12 दिन बाद वीजा मिलेगा। बाद में बताया गया कि वीजा रिजेक्ट हो गया। अब छह माह बाद मिलेगा, लेकिन अभी तक न वीजा मिला और न ही रुपया।

बता दें कि एक शिकायत पर पुलिस ने ग्लोबल कंपनी के दफ्तर पर छापा मारकर भारी मात्रा में पासपोर्ट, कागजात व कैश बरामद किया था। साथ ही मालिक सन्नी पर केस भी किया था। कंपनी के खिलाफ 15 दिन में यह तीसरा केस दर्ज हुआ है। कैंट पुलिस ने शुक्रवार को ही कुशीनगर के अमीन अली की तहरीर पर ग्लोबल कंपनी के बगल स्थित प्रियांशु ट्रेनिंग सेंटर के आरएन सिंह पर केस दर्ज किया था। पीड़ित का आरोप है कि 57 हजार लेकर उसे विदेश भेजा गया। जहां की कंपनी उसे प्रताड़ित करने लगी। किसी तरह घर से पैसा मंगाकर भारत लौट आया। अब कंपनी वाले रुपये नहीं वापस कर रहे हैं।

6 साल की बच्ची से रेप के आरोपी का फंदे से लटकता मिला शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। संत कबीर नगर जिले में एक बच्ची से रेप के आरोपी का शव फांसी से लटकते हुए मिला है। आशंका जताई जा रही है कि पकड़े जाने के डर से उसने आत्महत्या कर ली है। छह साल की बच्ची से रेप के आरोपी का फांसी के फंदे से लटकता शव बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि 31 मई की रात दुधरा थाना क्षेत्र में सऊद नामक व्यक्ति ने अपने रेस्टोरेंट में एक छह साल की बच्ची से रेप किया था। सऊद वहां काम करता था और बच्ची और उसके परिवार वाले अक्सर उसी रेस्टोरेंट में आते थे।

बच्ची के परिजनों ने शनिवार को इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया था और पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। आज पुलिस को सूचना मिली कि दुधरा थाना क्षेत्र के दोनेकुवा गांव के बाहर एक कमरे में एक शव लटका हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि वह शव सऊद का ही है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आशंका जताई जा रही है कि दाउद ने पकड़े जाने के डर से आत्महत्या कर ली है।

ड्रम सीडर तकनीक से कम लागत में ले अधिक लाभ

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में धनघटा तहसील के कृषि विज्ञान केंद्र बगही में एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें कम लागत में ड्रम सीडर से खेत की बुवाई कर अधिक लाभ लेने की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अरविंद कुमार सिह ने बताया कि ड्रम सीडर तकनीक से धान की बुआई के समय खेत में कीचड़ जैसी भूमि होनी चाहिए। अधिक जलस्तर नहीं होना चाहिए। इतना जल हो, जिससे ड्रम सीडर आसानी से खेत में चल सके। लेव लगाने के 5–6 घंटे के अंदर ही ड्रम सीडर द्वारा धान की सीधी बुवाई कर देनी चाहिए। किसान परंपरागत तरीके से धान की रोपाई करने में रोपाई के लिए उपयुक्त समय पर श्रमिकों की समुचित उपलब्धता एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। इसके साथ ही श्रमिकों के बढ़े मेहनताने के चलते धान की खेती की लागत बढ़ जाती है। किसान धान की छिटकवा विधि से सीधी बोवाई करने लगे हैं, लेकिन छिटकवा विधि से धान की बोवाई करने पर खेत में जमे हुए धान के पौधों में समानता नहीं होती। साथ ही पौधों की कम संख्या जमती है। इन सब समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिकों ने ड्रम सीडर तकनीक ईजाद की। हैसर बाजार के प्रगतिशील कृषक जगदीश नारायण ने बताया कि ड्रम सीडर तकनीक से धान के एक हेक्टेयर खेत की बुवाई एक श्रमिक मात्र दो दिनों में कर लेता है। इस हिसाब से धान की एक हेक्टेयर की बुवाई दो श्रमिकों की मजदूरी की लागत में हो जाती है। वहीं, परंपरागत विधि से धान के एक हेक्टेयर खेत की रोपाई में लगभग पचास श्रमिकों की मजदूरी की लागत आती है। वैज्ञानिक कृषि अभियांत्रिकी अनुभाग डा. देवेश कुमार ने ड्रम सीडर मशीन की जानकारी दी। इस मशीन के प्रयोग से मजदूरी की काफी बचत हो जाती है। इस विधि से 12 से 15 कुन्तल प्रति बीघा धान प्राप्त होता है। वैज्ञानिक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने कहा ड्रम सीडर मशीन द्वारा धान की बुवाई करने के लिए सबसे पहले खेत में पानी भर कर दो से तीन बार पलेवा करना पड़ता है। खेत में अच्छी तरह पाटा लगाकर समतल कर लेते हैं। इसके बाद पलेवा किए हुए खेत को 8 घंटे के लिए छोड़ दिया जाता है। धान की बुवाई करने के कम से कम छह घंटे पहले खेत से पानी को निकाल दिया जाता है। बुवाई के समय खेत में केवल एक सेंटीमीटर पानी की पतली परत रहनी चाहिए। इससे खेत में पानी ज्यादा होने पर बीज पानी के साथ बहने ना पाए। वैज्ञानिक डॉ. तरुन कुमार ने बुवाई करने से पूर्व बीज को 10–12 घंटे भिगोकर पानी से निकाल कर रख लिया जाता है। उसके बाद जूट के बोरे में रखकर कपड़े से ढंक दिया जाता है। जिससे बीज 10 से 12 घंटे में अंकुरित हो जाते हैं। बीज को ड्रम सीडर के बाक्स में एक तिहाई भरकर बाक्स को बंद करके बाद ड्रम सीडर को सामान्य गति से मैनुअल रूप से खेतों में खींचकर बुवाई की जाती है। वैज्ञानिक डॉ. संदीप सिंह कश्यप और डा. रत्नाकर पाण्डेय ने कहा की सीधी बिजाई से जहां 15 से 20 प्रतिशत पानी की बचत होती है वहीं किसानों के खेती पर होने खर्च में से करीब 2500 से 4000 हजार रुपए प्रति एकड़ की बचत होती है। रोपाई विधि की तुलना में सीधी बुवाई से धान की खेती करने में बीज की मात्रा भी कम लगती है। सीधी बुवाई द्वारा की गई फसल सामान्यतरू एक सप्ताह पूर्व पककर तैयार हो जाती है।

मोबाइल छीनने के विरोध करने पर की गयी थी शशांक की गोली मारकर हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। शशांक अपने मित्र अमन राय को छोड़ने अन्य दोस्तों संग शहर के लिए निकला। अमरूद मंडी के पास ही आरोपियों ने शशांक को रास्ते में रोक लिया और उसका मोबाइल फोन लूटने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर गोली मार दी थी, जिससे मौत हो गई।

राजघाट इलाके के अमरूद मंडी के पास बृहस्पतिवार की देर रात शशांक पांडेय की गोली मारकर की गई हत्या का पुलिस ने शनिवार को पर्दाफाश कर दिया। इस मामले में पुलिस ने एक बाल अपचारी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि मोबाइल छीनने का विरोध करने पर शशांक को गोली मारी गई थी। आरोपियों के पास से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल देसी पिस्टल बरामद किया है। तीन आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। जबकि, बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेजा गया।

आरोपियों की पहचान अमरूद मंडी निवासी विजय निषाद, छोटू साहनी और करन चौहान के रूप में हुई है। यह सभी मारपीट कर लूट करने के मामले में पहले भी जेल जा चुके हैं। जानकारी के मुताबिक, गीडा के भिलोरा निवासी विनोद उर्फ पप्पू पांडेय के बेटे शशांक ने बृहस्पतिवार रात में रामगढ़ताल क्षेत्र के रानीबाग निवासी अपने पुराने मित्र अमन राय एवं गांव के अमरीश, वरूण, दादू, नितेश के साथ गांव के ही पश्चिम लल्ला के बगिया में शराब पार्टी मनाई।

इसके बाद शशांक अपने मित्र अमन राय को छोड़ने अन्य दोस्तों संग शहर के लिए निकला। अमरूद मंडी के पास ही आरोपियों ने शशांक को रास्ते में रोक लिया और उसका मोबाइल फोन लूटने की कोशिश की। इसका विरोध करने पर गोली मार दी थी, जिससे मौत हो गई। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी कर पुलिस ने घटना का पर्दाफाश कर लिया है। आरोपियों को जेल भिजवा दिया गया।

सीएम योगी ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शत प्रतिशत लागू कर रोल मॉडल बनें

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर संस्थान की उपयोगिता तभी सिद्ध होती है, जब वह समाज के लिए उपयोगी हो। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की शैक्षिक व चिकित्सकीय समेत सभी संस्थाओं ने हमेशा समाज और राष्ट्र के हित में अपनी उपयोगिता प्रमाणित की है।

इस शिक्षा परिषद की संस्थाओं ने सामाजिक सहभाग को भी अपने ध्येय का हिस्सा बनाया है और भविष्य में इसका दायरा और विस्तृत करने की आवश्यकता है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अंगीकार करने में अग्रणी भूमिका निभाई है।

अब जरूरत है कि संस्थाएं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को शत प्रतिशत अपनाकर अन्य संस्थाओं के लिए रोल मॉडल बनें। सीएम योगी रविवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं की वार्षिक समीक्षा और भावी कार्ययोजना को लेकर बुलाई गई बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने एक–एक कर सभी संस्थाओं के प्रमुखों से उनकी सालभर की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी ली। आगामी कार्ययोजना को लेकर उनके लक्ष्यों पर अपने सुझाव दिए। संस्थाओं की तरफ से वार्षिक समीक्षा और भावी कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण पावर प्वाइंट (पीपीटी) डिस्प्ले के जरिए किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में अनुशासित परिसर संस्कृति को सदैव प्राथमिकता पर रखा है। परिषद की संस्थाओं ने इस मामले में अनुकरणीय प्रयास किया है। परिसर में अनुशासन की भावना के साथ, स्वच्छता, हरियाली और सबका सबके प्रति सद्भाव रहे, इसका नियमित पर्यवेक्षण करना सभी संस्थाध्यक्षों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर संस्था की जिम्मेदारी बनती है कि वह समाज की उन्नति के लिए, लोगों को स्वावलंबी बनाने के लिए अपने दायरे को बढ़ाए।

पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के इटवा–होरिलापुर मार्ग पर दुफेडिया और भुतहवा गांव के बीच पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई जबकि उसका मासूम पुत्र घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इटवा करबा निवासी मान सिंह चौधरी (28) पुत्र राम सिंह मिठौवा चौराहे पर खाद बीज का दुकान चलाता था। शनिवार रात बाइक से वह इटवा से मिठौवा जा रहा था। बाइक पर उसके साथ उसका तीन वर्षीय पुत्र मयंक भी था। इटवा होरिलापुर मार्ग पर दुफेडिया और भुतहवा गांव के बीच अचानक सामने से आए पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में मयंक बाइक से छिटक कर दूर जा गिरा, उसे हल्की चोटें आई जबकि मान सिंह चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को देख पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वहीं मौके पर जुटे ग्रामीणों की मदद से मयंक और मान सिंह चौधरी को इटवा सीएचसी ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने देखते ही मान सिंह चौधरी को मृत घोषित कर दिया जबकि मयंक का प्राथमिक उपचार कर हालत ठीक देख घर भेज दिया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के पिता की तहरीर पर केस दर्जकर पिकअप को कस्टडी में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

ताल की पैमाइश करने पहुंची टीम, मचा हड़कंप

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बांसी कस्बे के प्रतापनगर वार्ड में स्थित ताल को कई मछली व्यवसायी मछली मारने के लिए पंपिंग सेट लगाकर सुखा रहे थे। नायब तहसीलदार सदर राघवेन्द्र पांडेय ने राजस्व टीम के साथ रविवार को 11 बजे ताल पर पहुंचे। इसके बाद स्थल का मुआयना करके पैमाइश शुरू की। पैमाइश के प्रथम चरण में ही कई खामियां मिलीं। 25 बीघे में फैले ताल पर कहीं–कहीं कुछ लोगों ने कब्जा कर मकान बनवाना शुरू कर दिया है। राजस्व टीम उत्तरी हिस्से के सरहद को आधार मानकर पैमाइश कर रही है। अचानक से ताल की पैमाइश शुरू होने से मछली व्यवसायियों और कब्जा धारकों में हड़कंप मच गया है। नायब तहसीलदार राघवेन्द्र पांडेय ने कहा कि सीमांकन का कार्य शुरू किया गया है। पैमाइश पूरी होने के बाद कब्जाधारियों को तत्काल हटाया जाएगा।

आज होगा कार्मिकों का दूसरा प्रशिक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में मतगणना कार्मिकों का दूसरा प्रशिक्षण सोमवार को एचआर इंटर कॉलेज में होगा। उक्त जानकारी प्रभारी अधिकारी कार्मिक संत कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि दूसरे प्रशिक्षण में सभी कार्मिकों की उपस्थिति अनिवार्य है।

जो तीन कार्मिक पहले प्रशिक्षण में अनुपस्थित थे यदि वे दूसरे प्रशिक्षण में नहीं शामिल हुए तो उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में सभी को मतगणना को लेकर सारी जानकारी देने के साथ सभी सतर्कता के बारे में बताया जाएगा।

घर से नाराज होकर निकले व्यक्ति का शव मिला

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा इलाके में घर से नाराज होकर निकले डेलाई प्रसाद (55) का शव रविवार को गांव से कुछ दूरी पर मिला। वह तीन दिन पहले घर से निकले थे। परिजन तभी से उसकी तलाश में थे। शव मिलने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौत की वजह जनाने के लिए पोर्टमार्टम को भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, डुमरी निवासी डेलई तीन दिनों से घर से नाराज चल रहा था। जिनका शव रविवार सुबह गांव के बाहर पेड़ के नीचे पड़ा मिला। घटनास्थल पर थानाध्यक्ष सहजनवां पहुंचे और शव पोस्टमार्टम को भेजा गया।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com